CITATION IN RESPECT OF GENERAL PRABHU RAM SHARMA,

CHIEF OF THE ARMY STAFF, NEPALI ARMY

General Prabhu Ram Sharma, ndc, psc, MA, MPhil, an alumnus of the Nepali Military Academy was commissioned into the Nepali Army in March 1984.

General Sharma's selfless service, sincere devotion and commitment to excellence are in keeping with the finest traditions of military service and reflect distinct credit upon himself and the Nepali Army. He assumed the Command of Nepali Army as the Chief of the Army Staff on 09th September 2021.

Over 39 years of his illustrious career, his roles have been diverse and dignified. He has distinguished himself by an exceptional meritorious service both during peace and conflict, at home and abroad. The General has wide-ranging experience of various high profile command, staff and instructional appointments. He has commanded an Infantry Battalion, an Infantry Brigade and an Infantry Division under most challenging circumstances.

His significant responsibilities at Army Headquarters include the Chief of General Staff (CGS), the Chief of Staff (COS), Directorate General of Military Operations (DGMO), Master General of Ordnance (MGO), Military Secretary (MS), Director of Policy and Planning, and Director of Recruitment and Selection.

The General Officer's prestigious overseas appointments include; Independent Infantry Company Commander in East Timor (UNTAET-3) in 2001 and the Infantry Battalion Commander in the Democratic Republic of the Congo (then MONUC) in 2004. Besides, he has also held a diplomatic appointment as Nepal's Military Attache to Bangladesh from 2008 till 2011.

A graduate of National Defence College, India & Army Command and Staff College, Nepal, General Sharma, throughout his exemplary career, has demonstrated dynamic leadership, outstanding professionalism and also has been an advocate of subsisting modernization process of the Nepali Army. He has been decorated with the prestigious "PRASIDDHA PRABAL JANASEWA SHREE" (प्रसिद्ध प्रवल जनसेवा श्री) "SUPRABAL JANASEWA SHREE" (सुप्रवल जनसेवा श्री) and other decorations and medals.

General Sharma has contributed immensely towards promoting the existing bonds of friendship based on goodwill and mutual understanding; not only between the Indian Army and the Nepali Army but also with other militaries of world.

जनरल प्रभु राम शर्मा, थल सेना प्रमुख, नेपाली सेना के प्रशस्ति पत्र के संबंध में

जनरल प्रभु राम शर्मा, एनडीसी, पीएससी, एमए, एमफिल, नेपाली सैन्य अकादमी के पूर्व छात्र हैं और मार्च 1984 में नेपाली सेना में कमीशंड अधिकारी के रूप में शामिल हुए।

जनरल शर्मा की निस्वार्थ सेवा, ईमानदारी, समर्पण और उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता सैन्य सेवा की बेहतरीन परंपराओं के अनुरूप है और स्वयं उनके तथा नेपाली सेना के विशिष्ट जज्बे को दर्शाती है। उन्होंने 9 सितंबर, 2021 को सेनाध्यक्ष के रूप में नेपाली सेना की कमान संभाली है।

अपने 39 वर्ष के शानदार करियर में, उनकी विविध और प्रतिष्ठित भूमिकाएं रही हैं। उन्होंने देश और विदेश में, शांति और संघर्ष के दौरान असाधारण मेधावी सेवा के माध्यम से प्रतिष्ठा अर्जित की है। जनरल प्रभु राम शर्मा को उच्च श्रेणी के कमांड, स्टाफ और निर्देशात्मक नियुक्तियों का व्यापक अनुभव है। उन्होंने सर्वाधिक चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में एक इन्फैंट्री बटालियन, एक इन्फैंट्री ब्रिगेड और एक इन्फैंट्री डिवीजन की कमान संभाली है।

सेना मुख्यालय में उनकी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों में चीफ ऑफ जनरल स्टाफ (CGS), चीफ ऑफ स्टाफ (COS), सैन्य संचालन महानिदेशालय (DMGO), मास्टर जनरल ऑफ ऑर्डनेंस (MGO), सैन्य सचिव (MS), निदेशक नीति और योजना तथा निदेशक भर्ती और चयन शामिल हैं।

जनरल शर्मा की प्रतिष्ठित विदेशी नियुक्तियों में 2001 में पूर्वी तिमोर (UNTAET-3), में स्वतंत्र इन्फैंट्री कंपनी कमांडर और 2004 में कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (तब MONUC) में इन्फैंट्री बटालियन कमांडर की नियुक्तियां शामिल हैं। इसके अलावा, उन्होंने 2008 से 2011 तक बांग्लादेश में नेपाल के सैन्य अताशे के रूप में एक राजनयिक दायित्व का निर्वहन भी किया है।

नेशनल डिफेंस कॉलेज, भारत तथा आर्मी कमांड और स्टाफ कॉलेज, नेपाल से स्नातक, जनरल शर्मा ने अपने अनुकरणीय करियर के दौरान गतिशील नेतृत्व व उत्कृष्ट व्यावसायिकता का प्रदर्शन किया है और वह नेपाली सेना के आधुनिकीकरण की प्रक्रिया को जारी रखने के पैरोकार भी रहे हैं। उन्हें प्रतिष्ठित ''प्रसिद्ध प्रबल जनसेवा श्री'', ''सुप्रबल जनसेवा श्री'' और अन्य अलंकरणों तथा पदकों से अलंकृत किया गया है।

जनरल शर्मा ने न केवल भारतीय सेना और नेपाली सेना के बीच, बल्कि दुनिया की अन्य सेनाओं के साथ भी सद्भावना और आपसी समझ के आधार पर मैत्री के मौजूदा संबंधों को बढ़ावा देने में अनुकरणीय योगदान दिया है।